



कालेज आफ हार्टिकल्चर  
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,  
मेरठ-250110 (उ०प्र०)

डा० विजेन्द्र सिंह  
अधिष्ठाता

पत्रांक: रावप/2020/उद्यान/542  
दिनांक: 09/07/2020

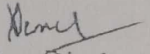
डा० आई० एन० मुखर्जी  
सहायक महानिदेशक/सचिव  
उ० प्र० कृषि अनुसंधान परिषद  
लखनऊ

महोदय,

कृपया अवगत कराना है कि प्रमुख सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश एवं निर्यात प्रोत्साहन उ० प्र० शासन के पत्रांक संख्या 1451/पी.एस.ए.पी. -कैम्प/2020 दिनांक 27.05.2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय एवं कार्य क्षेत्र में आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्रों पर जुलाई 2020 के प्रथम सप्ताह में 3000 (तीन हजार) पौधे लगाने का निर्णय माननीय कुलपति जी द्वारा लिया गया था।

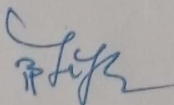
उपरोक्त के अनुपालन में कृषि विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय परिसर में जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रो० आर० के० गित्तल माननीय कुलपति जी के कुशल निर्देशन में जामुन, सागौन, सहजन, नीम, सिलवरओक एवं शीशम के कुल 4232 पौधों का रोपण किया गया है। जिसकी रिपोर्ट संलग्न कर आपकी सेवा में आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

संलग्न: उपरोक्तानुसार

  
( विजेन्द्र सिंह )

प्रतिलिपि-

- 1 कुलसचिव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 2 निजी सहायक को माननीय कुलपति जी के अवलोकनार्थ।

  
Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

## वृक्षारोपण कार्यक्रम ( प्रथम सप्ताह जुलाई 2020 )

प्रमुख सचिव कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश एवं निर्यात प्रोत्साहन उ० प्र० शासन के पत्रांक संख्या 1451/पी.एस.ए.पी. -कैम्प/2020 दिनांक 27.05.2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय एवं कार्य क्षेत्र में आने वाले कृषि विज्ञान केंद्रों पर जुलाई 2020 के प्रथम सप्ताह में 3000 (तीन हजार) पौधे लगाने का निर्णय माननीय कुलपति जी द्वारा लिया गया था।

उक्त के अनुपालन में जुलाई के प्रथम सप्ताह में कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों के द्वारा वन विभाग से पौधे प्राप्त कर वृक्षारोपण करने का वृहत्त अभियान चलाया गया। गौतम बृद्ध नगर एवं बुलन्दशहर के कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 500-500 पौधे जामुन, शीशम, सागौन, नीम आदि के रोपण किए गए तथा अन्य कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा औसत 150 पौधे की दर से अर्थात् कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा कुल 3802 रोपित किये गये हैं। दिनांक 05.07.2020 को प्रो० आर० के० मित्तल, माननीय कुलपति जी के कुशल निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर एवं चिरौड़ी फार्म पर सागौन, जामुन, सहजन, नीम, सिलवरओक एवं शीशम के 430 पौधों रोपण किया गया तथा इस प्रकार विश्वविद्यालय परिसर एवं कार्यक्षेत्र में आने वाले कृषि विज्ञान केंद्रों पर 3000 पौधारोपण लक्ष्य के सापेक्ष 4232 पौधों का रोपण किया जा चुका है।



प्रो० आर० के० मित्तल, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 05.07.2020 को वृक्षारोपण करते



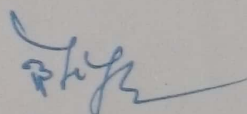
डा० बी० आर० सिंह, कुलसचिव द्वारा वृक्षारोपण

श्री अवध नारायण, वित्त नियंत्रक द्वारा वृक्षारोपण

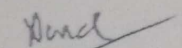


डा० विजेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता उद्यान द्वारा वृक्षारोपण

प्रो० शमशेर, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर द्वारा वृक्षारोपण



Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

  
( विजेन्द्र सिंह )  
अधिष्ठाता उद्यान





# औद्योगिकी महाविद्यालय

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,  
मेरठ-250 110 (उ० प्र०)

पो० विजेन्द्र सिंह  
अधिष्ठाता

पत्रांक: ममप/2020/अधिष्ठाता/116/  
दिनांक: 20.05.2020

सेवा में,

डा० प्रभाकर दुबे  
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण  
योजना एवं कृषि वागिकी  
लखनऊ, 2020

विषय: वर्ष 2020-2021 वृक्षारोपण में अन्य विभागों द्वारा किये जाने वाले 15 करोड़ वृक्षारोपण कार्य का अन्य संस्थानों द्वारा अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-पी-798/36-पी-23-ए दिनांक 12.05.2020 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके अनुसार कृषि विश्वविद्यालय मेरठ चार सदस्यीय समिति का गठन करते हुए मेरठ गाइडल के समस्त जनपदों में अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन कराये जाने की अपेक्षा की गयी है। उक्त के क्रम में आपके पत्र में उल्लेखित गाइडलाइन के अनुसार अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन हेतु माननीय कुलपति जी द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ की निम्नानुसार चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया है जो पत्र में उल्लेखित कार्यों का सम्पादन एवं इस विषयक प्रस्ताव यथाशीघ्र आपको प्रेषित करेगी।

1. डा० मनोज कुमार सिंह, सह प्राध्यापक - अध्यक्ष
2. डा० अश्विनेन्द्र कुमार, सह प्राध्यापक - सदस्य
3. डा० हरिओम कटियार, सह प्राध्यापक - सदस्य
4. श्री रतन सिंह, शोध छात्र (सद्वान), आई.डी. नं०-4250

महोदय के सूचनार्थ एवं संज्ञानार्थ प्रेषित।

सादर,

Vinil  
(विजेन्द्र सिंह)

प्रतिलिपि:

1. समस्त समिति सदस्यों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. निजी सहायक को माननीय कुलपति जी के अवलोकनार्थ।

2/C

22/5/2020

Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)



BY E-mail Only

कार्यालय वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक सामाजिक वानिकी मेरठ क्षेत्र मेरठ।

E-Mail: cfmeerut@gmail.com (223/1 सिविल लाइन मेरठ-250001) Ph.No. 0121-2664726

पत्रांक 3648/29-5 (प्रारोपण 2020-21) मेरठ, दिनांक 18/5/2020

सेवा में,

कुलपति,

सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं तत्वनीकी विश्वविद्यालय,

मेरठ उ०प्र०।

विषय- वर्ष 2020-21 में वृक्षारोपण में अन्य विभागों द्वारा किये जाने वाले 15 करोड़ वृक्षारोपण कार्य का अन्य संस्थाओं द्वारा अनुश्रवण एवं स्थलीय रात्यापन।

सन्दर्भ:- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक योजना एवं कृषि वानिकी उ०प्र० लखनऊ का पत्रांक पी० 798/36-पी-23-ए दिनांक 12.05.2020

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र का अवलोकन करें। (छायाप्रति संलग्न) जिसमें वर्ष 2020-21 वृक्षारोपण में अन्य विभागों द्वारा किये जाने वाले 15 करोड़ वृक्षारोपण कार्य का, अन्य संस्थाओं द्वारा अनुश्रवण एवं स्थलीय रात्यापन किये जाने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। आपसे अनुरोध है कि प्रस्ताव में वर्णित बिन्दुओं का अवलोकन कर इस सम्बन्ध में अपनी आख्या/प्रस्ताव यथाशीघ्र अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक योजना एवं कृषि वानिकी उ०प्र० लखनऊ को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। जिससे सक्षम स्तर से विचारपरत निर्णय लिया जा सके।

संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(एन०के० जाग)

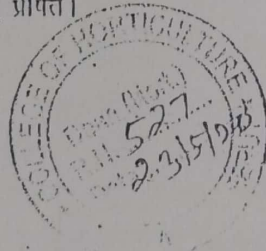
वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक,  
सामाजिक वानिकी मेरठ क्षेत्र, मेरठ।

पत्रांक 3648/ उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक योजना एवं कृषि वानिकी उ०प्र० लखनऊ को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

30501

22/5/2020



(एन०के० जाग)

वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक,  
सामाजिक वानिकी मेरठ क्षेत्र, मेरठ।

अधिकारता (उद्यान) / निदेश

रो.क. मिश्रा  
22.05.2020

Dr. R.K. Mittal  
Vice-Chancellor  
S.V.P.U.A.&T., Meerut

Dr. Satya Prakash  
For M. A. Prasad

343\_D:\AS\A2020-21\A&S O launch docs

Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

प्रेषक,

प्रेषक,  
डा. प्रभाकर दूबे,  
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक,  
योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०।

सेवा में,

कुलपति,  
सरदार बल्लभगाई पटेल कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय,  
मेरठ, उ०प्र०।

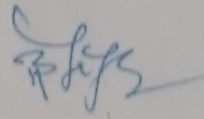
लखनऊ, दिनांक 12 मई 2020

विषय:- वर्ष 2020-2021 वृक्षारोपण में अन्य विभागों द्वारा किए जाने वाले 15 करोड़ वृक्षारोपण कार्य का अन्य संस्थाओं द्वारा अनुश्रवण एवम् स्थलीय सत्यापन।

महोदय,

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 2020 वर्षाकाल में 25 करोड़ पौधे रोपण किया जा रहा है, जिसमें वन विभाग, विभागीय संसाधनों से 10 करोड़ पौधे रोपण और अन्य विभागों द्वारा 15 करोड़ पौधे रोपण, राज्य के सभी ग्राम पंचायत और शहरी निकायों में लगाए जाएंगे। प्रदेश के चार जनपदों में अन्य विभागों द्वारा कराये जाने वाले वृक्षारोपण के समवर्ती अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन कार्य प्रदेश के राजकीय कृषि विश्व विद्यालयों के माध्यम से कराये जाने का निम्न प्रकार प्रस्तावित है।

1. अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन हेतु सौम्यल का आकार : जनपद में वृक्षारोपण की इनकई ग्राम पंचायत/स्थानीय निकाय/ शहरी क्षेत्र है जिसका माइक्रोप्लान वन विभाग द्वारा निरूपित किया गया है। अन्य विभागों द्वारा भी उक्त माइक्रोप्लान में प्रस्तावित पौधे संख्या के अनुसार वृक्षारोपण किया जाना है। एक जनपद में ग्राम पंचायत/स्थानीय निकाय/शहरी क्षेत्रों के निरूपित समस्त माइक्रोप्लान से स्टैटोप्लांट रैंडम विधि से माइक्रोप्लान चयन इस प्रकार किया जाएगा कि जनपद में रोपित किए जाने वाले लक्ष्य का 5 प्रतिशत तथा जनपद के समस्त कार्यदायी विभागों का प्रतिनिधित्व उक्त सौम्यल में हो सके। चयनित जनपद में अनुश्रवण एवम् स्थलीय मूल्यांकन औसतन 40 ग्राम पंचायत/स्थानीय निकाय/ शहरी क्षेत्र में कराये गए वृक्षारोपण क्षेत्रों में किया जाना है।
2. अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन टीम : राजकीय कृषि विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक के नेतृत्व में तीन सदस्य टीम (कुल 4 सदस्यीय) द्वारा उक्त कार्य किया जाएगा। आवश्यकतानुसार टीमों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। राजकीय विश्वविद्यालय के स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में पंजीकृत/शोध कर रहे विद्यार्थी/उक्त टीम की सदस्यता हेतु पात्र होंगे।
3. कार्य का क्षेत्र : कृषि विश्वविद्यालय की टीमों मेरठ मण्डल के समस्त जनपदों में अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन का कार्य करेगा।



Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)



4. कार्य का विवरण : अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन टीम सर्वप्रथम वर्धनित क्षेत्र में प्राथमिक रूप से गमण कर क्षेत्र को समुचित रूप से समझेगी। भ्रमण के दौरान यह टीम वर्धनित क्षेत्रों में वन का परीक्षण कर क्षेत्र से सम्बन्धित समस्त फोटोग्राफों व वन निगम से उत्तर वन विभाग द्वारा कराए गए अग्रिम मृदा कार्य स्थलों का निरीक्षण करेगी तथा वृक्षारोपण कार्य व रकबाओं स्टैकहोल्डर से आवश्यकता अनुसार संपर्क करेगी। टीम द्वारा सुनिश्चित फोटोग्राफ व वृक्षारोपण स्थल तक पौधे ढूलान की जानकारी सम्बन्धित प्रभागीय न्यायिकतरी से प्राप्त की जायेगी। यह टीम स्टैक होल्डर के साथ समस्त स्थलीय सत्यापित सम्पन्न स्थलों के जीपीएस टैग फोटो (सॉफ्ट कॉपी) रोपण की सूचना व रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करेगी।

5. कार्य की समय सीमा: टीम द्वारा 15 जून 2020 से कार्य प्रारम्भ किया जाएगा तथा 31 जुलाई तक पूर्ण किया जाएगा। टीम 31 अगस्त 2020 तक अपनी रिपोर्ट अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ को प्रस्तुत करेगी। आवश्यकता अनुसार इस अवधि को बढ़ाया जा सकता है।

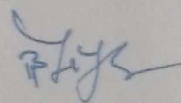
3. अनुश्रवण कार्य की साप्ताहिक सूचना का प्रारूप:

अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन टीम द्वारा वृक्षारोपण कार्य की सूचना फॉर्मिक सप्ताह निम्न प्रारूप में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ को प्रस्तुत करेगी :-

जनपद	प्रभाग	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत/ स्थानीय निकाय/ शहरी क्षेत्र	गाइकोप्लान के अनुसार विभागवार लक्ष्य		विभागवार वास्तविक प्राप्ति	प्रतिशत उन्नति
				विभाग का नाम	पौधों की संख्या		
1	2	3	4	5	6	7	8

7. अनुश्रवण कार्य की रिपोर्ट : टीम लीडर द्वारा वृक्षारोपण अनुश्रवण व स्थलीय सत्यापन कार्य पूर्ण कर संकलित अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन रिपोर्ट जिसमें निम्न अध्याय होंगे अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ को प्रस्तुत करेंगी :-

- 1 प्रस्ताव
- 2 उद्देश्य
- 3 योजित कार्य
- 4 योजित कार्यों की प्राप्ति
- 5 साझा अनुभव : विभाग, संस्था एवं स्टैकहोल्डर के लिए समझौते अनुभव जो आगामी वर्ष के रोपण कार्य की गुणात्मक सुधार में सहायक हो।
- 6 निष्कर्ष व संस्तुतियाँ।



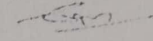
Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

8. प्रस्ताव के बिन्दु - उपरोक्त कार्यों को पूर्ण करने हेतु अपना प्रस्ताव देने का काल केवल अपने प्रस्ताव में निम्न बिन्दुओं का भी समावेश करने का काल है।

1. प्रति गाह उपरोक्त कार्य हेतु कुल अपेक्षित धनराशि।
2. उपरोक्त अनुश्रवण व स्थलीय सत्यापन कार्य में सम्मिलित मानव संसाधन का पूर्ण वितरण।

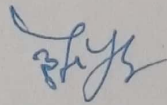
अतः अपना प्रस्ताव शीघ्र देने का काल करें। जिस पर सक्षम स्तर में विचारमण्डल निर्णय लिया जा सके।

भवदीय,



(डा. प्रकाश कुमार)

आपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक,  
योजना एवं कृषि वानिकी, 305401



Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

BY E-mail Only

कार्यालय वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक सामाजिक वानिकी मेरठ क्षेत्र मेरठ।

E-Mail: clinecrut@gmail.com (223/1 सिविल लाइन मेरठ-250001) Ph.No. 0121-266472-  
पत्रांक 3645/29-5 (वृक्षारोपण 2020-21) मेरठ, दिनांक 18/5/2020

सेवा में,

कुलपति,  
सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय,  
मेरठ उ०प्र०।

विषय:- वर्ष 2020-21 में वृक्षारोपण में अन्य विभागों द्वारा किये जाने वाले 15 करोड़ वृक्षारोपण कार्य का अन्य संस्थाओं द्वारा अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन।

सन्दर्भ:- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक योजना एवं कृषि वानिकी उ०प्र० लखनऊ का पत्रांक पी० 798/36-पी-23-ए दिनांक 12.05.2020

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र का अवलोकन करें। (छायाप्रति संलग्न) जिसमें वर्ष 2020-21 वृक्षारोपण में अन्य विभागों द्वारा किये जाने वाले 15 करोड़ वृक्षारोपण कार्य का, अन्य संस्थाओं द्वारा अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन किये जाने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। आपसे अनुरोध है कि प्रस्ताव में वर्णित बिन्दुओं का अवलोकन कर इस सम्बन्ध में अपनी आख्या/प्रस्ताव यथाशीघ्र अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक योजना एवं कृषि वानिकी उ०प्र० लखनऊ को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। जिससे सक्षम स्तर से विचारोपरात निर्णय लिया जा सके।

संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(एन०के० जानू)

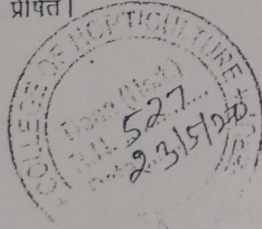
वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक,  
सामाजिक वानिकी मेरठ क्षेत्र, मेरठ।

पत्रांक 3645/ उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक योजना एवं कृषि वानिकी उ०प्र० लखनऊ को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

30501

22/5/2020



(एन०के० जानू)

वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक,  
सामाजिक वानिकी मेरठ क्षेत्र, मेरठ।

अधिष्ठाता (उद्यान) / निःश्रेय

22.05.2020

Dr. R.K. Mittal  
Vice-Chancellor  
S.V.P.U.A.&T., Meerut

Dr. Satya Prakash  
For M. A. Please

22/5/2020

345 D:\AS\72020-21\Ad 5.0 branch.docx

Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)





प्रति,

डा. प्रभाकर दूब  
अध्यक्ष प्रभान मूल्य वन संरक्षण  
योजना एवं कृषि पानिधी 3090।

सेवा में

कुलपति,  
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय  
मेरठ, 3090।

लखनऊ, दिनांक 12 मई 2020

विषय:- वर्ष 2020-2021 वृक्षारोपण में अन्य विभागों द्वारा किए जाने वाले 15 करोड़ वृक्षारोपण कार्य का अन्य संस्थाओं द्वारा अनुभवण एवं स्थलीय सत्यापन।

महोदय,

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 2020 वर्षाकाल में 25 करोड़ पौधे रोपण किया जा रहा है जिसमें वन विभाग विभागीय संसाधनों से 10 करोड़ पौध रोपण और अन्य विभागों द्वारा 15 करोड़ पौध रोपण राज्य के सभी ग्राम पंचायत और शहरी निकायों में लगाए जायेंगे। प्रदेश के चार जनपदों में अन्य विभागों द्वारा कराये जाने वाले वृक्षारोपण के समवर्ती अनुभवण एवं स्थलीय सत्यापन कार्य प्रदेश के राजकीय कृषि विश्व विद्यालयों के माध्यम से कराया जाना निम्न प्रकार प्रस्तावित है।

1. अनुभवण एवं स्थलीय सत्यापन हेतु सैन्यल का आकार : जनपद में वृक्षारोपण की डकड ग्राम पंचायत/स्थानीय निकाय/ शहरी क्षेत्र है जिसका माइक्रोप्लान वन विभाग द्वारा निरूपित किया गया है। अन्य विभागों द्वारा भी उक्त माइक्रोप्लान में प्रस्तावित पौध संख्या के अनुसार वृक्षारोपण किया जाना है। एक जनपद में ग्राम पंचायत/स्थानीय निकाय/शहरी क्षेत्रों के निरूपित समस्त माइक्रोप्लान से स्टैडीकाडड रैंडम विधि से माइक्रोप्लान चयन इस प्रकार किया जाएगा कि जनपद में रोपित किए जाने वाले लक्ष्य का 5 प्रतिशत तथा जनपद के समस्त कार्यवायी विभागों का प्रतिनिधित्व उक्त सैन्यल में हो सके। चयनित जनपद में अनुभवण एवं स्थलीय सत्यापन औसतन 40 ग्राम पंचायत/स्थानीय निकाय/ शहरी क्षेत्र में कराटे गए वृक्षारोपण क्षेत्रों में किया जाना है।

2. अनुभवण एवं स्थलीय सत्यापन टीम : राजकीय कृषि विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक के नेतृत्व में तीन सदस्य टीम (कुल 4 सदस्यों) द्वारा उक्त कार्य किया जाएगा। आवश्यकतानुसार टीमों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। राजकीय विश्वविद्यालय के स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में पंजीकृत/शांभ कर रहे विद्यार्थी/उक्त टीम को सदस्यता हेतु पात्र होंगे।

3. कार्य का क्षेत्र : कृषि विश्वविद्यालय की टीम में मेरठ मण्डल के समस्त जनपदों में अनुभवण एवं स्थलीय सत्यापन का कार्य करेगा।

Dean (Host.)

Rintul  
15.05.2020 आर० कैं० भिराल  
कुलपति  
स.व.प. कृषि एवं प्रौ.वि.वि. मेरठ

Satyra Prakesh

FOR m.o. please

[Signature]

Date

19/5/2020

Registrar

S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

4. कार्य का विवरण : अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन टीम सर्वप्रथम चयनित क्षेत्रों में परिचयात्मक भ्रमण कर क्षेत्र को समुचित रूप से समझेगी। भ्रमण के दौरान यह टीम चयनित माइक्रोप्लान का परीक्षण कर क्षेत्र से सम्बन्धित सगरत पौधशालाओं व वन विभाग से इतर अन्य विभागों द्वारा कराए गए अधिम गृदा कार्य स्थलों का निरीक्षण करेगी तथा वृक्षारोपण कार्य में सहभागी स्टेकहोल्डर से आवश्यकता अनुसार सम्पर्क करेगी। टीम द्वारा सम्बन्धित पौधशाला से वृक्षारोपण स्थल तक पौध डुलान की जानकारी सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी से प्राप्त की जायेगी। यह टीम स्टेक होल्डर के साथ सगरत स्थलीय सत्यापित रोपण स्थलों की जीपीएस टैग फोटो (सॉफ्ट कॉपी) रोपण की सूचना व रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करेगी।

5. कार्य की समय सीमा: टीम द्वारा 15 जून 2020 से कार्य प्रारम्भ किया जाएगा तथा 31 जुलाई तक पूर्ण किया जाएगा। टीम 31 अगस्त 2020 तक अपनी रिपोर्ट अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ को प्रस्तुत करेगी। आवश्यकतानुसार इस अवधि को बढ़ाया जा सकता है।

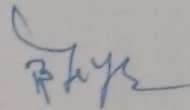
6. अनुश्रवण कार्य की साप्ताहिक सूचना का प्रारूप:

अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन टीम द्वारा वृक्षारोपण कार्य की सूचना प्रत्येक साताह निम्न प्रारूप में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ को प्रस्तुत करेगी :-

जनपद	प्रभाग	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत/ स्थानीय निकाय/ शहरी क्षेत्र	माइक्रोप्लान के अनुसार विभागवार तथ्य		विभागवार वास्तविक प्राप्ति	प्रतिशत उपलब्धि
				विभाग का नाम	पौधों की संख्या		
1	2	3	4	5	6	7	8

7. अनुश्रवण कार्य की रिपोर्ट : टीम लीडर द्वारा वृक्षारोपण अनुश्रवण व स्थलीय सत्यापन कार्य पूर्ण कर संकलित अनुश्रवण एवं स्थलीय सत्यापन रिपोर्ट जिरामें निम्न अध्याय होंगे अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ को प्रस्तुत करेगी :-

- 1 प्रस्ताव
- 2 उद्देश्य
- 3 योजित कार्य
- 4 योजित कार्यों की प्राप्ति
- 5 साझा अनुभव : विभाग, संस्था एवं स्टेकहोल्डर के लिए उपयोगी अनुभव जो आगामी वर्ष के रोपण कार्य की गुणवत्ता सुधार में सहायक हो।
- 6 निष्कर्ष व संस्तुतियाँ।



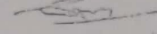
Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

8. प्रस्ताव के बिन्दु - उपरोक्त कार्यों को पूर्ण करने हेतु अपना प्रस्ताव देने का कष्ट करें।  
अपने प्रस्ताव में निम्न बिन्दुओं का भी समावेश करने का कष्ट करें-

1. प्रति माह उपरोक्त कार्य हेतु कुल अपेक्षित धनराशि।
2. उपरोक्त अनुभवण व स्थलीय स्थापन कार्य में सम्भिलित मानव संसाधन का पूर्ण विवरण।

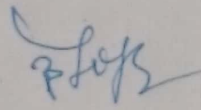
अतः अपना प्रस्ताव शीघ्र देने का कष्ट करें। जिस पर सशम रतार से विचारोपरान्त निर्णय लिया जा सके।

भवदीय,



(डा. प्रभाकर दुबे)

अपर प्रभाग मुख्य वन संरक्षक,  
योजना एवं कृषि प्राणिकी, उ०प्र०।



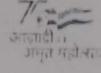
Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)





कुलसचिव कार्यालय  
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,  
मेरठ-250110

पत्रांक: सवप/2023/कु0स0/11466  
दिनांक: 07/11/2023



कार्यालय आदेश

कृपया, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या B.17011/7UPC-II-PWM(SUP)/2022 दिनांक 30.06.2022 वं Rule 4(2) of PWM, 2016 (as amended) के अन्तर्गत पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिये भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के प्रयासों के तहत विश्वविद्यालय परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित किया जाता है।

अतः उपरोक्त के संदर्भ में आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि विश्वविद्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्णतः प्रतिबंधित करने में अपना-अपना सहयोग सुनिश्चित करें।

कुलसचिव

प्रतिलिपि:

1. जन सम्पर्क अधिकारी को माननीय कुलपति जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
2. वित्त नियंत्रक
3. समस्त अधिष्ठातागण/निदेशकगण को इस आशय के साथ प्रेषित है कि अपने-अपने समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को अपने स्तर से अवगत करायेंगे।
4. निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण

Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)





No B 17011/7/UPC-II-PWM(SUP)/2022

Dated 30-06-2022

To,

The Principal Secretary

State UDD

Sub: Direction Under Section 5 of the Environment (Protection) Act, 1986 to State UDDs for Implementation of ban on Single Use Plastic (SUP)-Reg.

Whereas, the Ministry of Environment, Forest & Climate Change (MoEF&CC) notified the PWM Rules, 2016, in exercise of the powers conferred under section 3,6, & 25 of the Environmental (Protection) Act, 1986 Vide Notification No. G.S.R. 320 (E) dated March 27, 2016; and

Whereas, Hon'ble Prime Minister of India announced India's pledge to phase out SUP by 2022 on World Environment Day June 05, 2022 and also pitched for freedom for Single Use Plastic while delivering the Independence Day speech on August 15, 2019; and

Whereas, MoEF&CC issued Notification, dated August 12, 2021 which mandated banning of identified SUP items and prescribed minimum thickness of carry bag with effect from July 01, 2022; and

Whereas, as per Rule 4(2) of PWM Rules, 2016 (as amended), "The manufacture, import, **stocking, distribution, sale and use** of following single use plastic (SUP), including polystyrene and expanded polystyrene, commodities shall be prohibited with effect from the 1<sup>st</sup> July, 2022:

(a) Ear buds with plastic sticks, plastic sticks for balloons, plastic flags, candy sticks, ice-cream sticks, polystyrene [Thermocol] for decoration.

(b) Plates, cups, glasses, cutlery such as forks, spoons, knives, straw, trays, wrapping or packing films around sweet boxes, invitation cards, and cigarette packets, plastic or PVC banners less than 100 micron, stirrers; and

iii Deal  
Director

for n/a  
please

Phy

04/01/2023

Registrar

S.V.P. Uni. of Agri & Tech.

Meerut

Whereas, as per Rules 4(1) (c) of PWM Rules, 2016 (as amended) "Carry bag made of virgin or recycled plastic, shall not be less than seventy-five microns in thickness with effect from the 30th September, 2021 and one hundred and twenty (120) microns in thickness with effect from 31st December, 2022, and

Phy

Registrar

S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

Whereas as per Rule 12 of EWM Rules, single use plastic sheets or covers which is not an integral part of a packaged packaging and is not made of a material intended for packaging, having the characteristics that all the sides have a thickness less than 0.05 mm, except where the thickness of such plastic sheets impact the functionality of the product, and

Whereas as per Rule 12(1) of EWM Rules, the State Pollution Control Board and Pollution Control Committee in respect of a Union Territory shall be the authority for enforcement of the provisions of these rules relating to registration, manufacture of plastic products and of recycled packaging, processing and disposal of plastic wastes, and

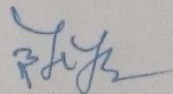
Whereas as per Rule 12(2) of EWM Rules, the concerned Secretary in charge of Urban Development of the State or a Union Territory shall be the authority for enforcement of the provisions of these rules relating to waste management by waste generator, use of plastic carry bags, plastic sheets or like covers made of plastic sheets and multilayered packaging

Whereas CPCB prepared a Comprehensive Action Plan (Annexure I) for implementation of SUP ban as per which State Urban Authorities have a key role to play for elimination of SUP, and

Whereas CPCB issued Direction dated 01-2-2022 to all SPCBs/PCCs on the subject Annexure II) which included following Directions related to the State Authorities

To direct the concerned State Authorities to implement following action points to ensure effective implementation of SUP ban

- a. District wise identification of major Commercial Establishments (Malls/ Market place/ Shopping Centers/ Cinema Houses/ Tourist Locations/ Schools/ Colleges/ Office complexes / Hospitals & other Institutions) and Stockiest/ Retailers/Sellers/Importers of banned SUP items/Street Vendors/Vegetable & Fruit Markets/Malls and other similar entities which are dealing in bulk in the aforementioned single use plastic items
- b. To take necessary action including cancellation of commercial licenses issued against the identified entities if found violating stipulated conditions
- c. To issue fresh commercial licenses to major Stockiest/ retailers/ sellers/ and Commercial Establishments with the condition that they shall not be stocking/selling/using banned SUP items
- d. To frame local bye-laws for levying Environmental compensation in line with CPCB Guidelines for violation of stipulated conditions
- e. To sensitize through workshops/webinars the aforementioned identified entities and to direct them to take necessary action to ensure zero inventory of banned SUP items by July 01, 2022



Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)



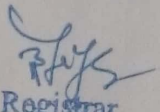


2. To conduct field inspections in association with District Magistrate, District Police & Local Urban and Rural Authorities to eliminate stocking, sale & usage & as per format
3. To identify SUP Producers engaged in production of banned SUP items in informal sector/ suppliers of plastic raw material to such producers through contact tracing / public notice /public grievance reporting etc & initiating action against them in association with local authorities.
4. To provide information for Mapping of District in each State/ UT for the SUP App being developed by CPCB.
5. To coordinate with State Authorities to ensure grievance raised in the SUP App or any other similar App available with the local authorities are resolved in a time bound manner. RO, SPCB concerned shall coordinate with local authorities to resolve the grievance till details as per "10" above are provided and the source/origin of banned SUP items are traced and action is taken against the defaulters.
6. To take penal action/ levy EC on violators of stipulated conditions of the said Notification

Whereas CPCB issued letter dated February 25, 2022 ( Annexure III) to Chief Secretaries of all State/UTs requesting for issuance of necessary instructions to concerned Authorities for implementation of Action Points as identified in the Action Plan; and

Whereas CPCB has developed **SUP Public Grievance App** which has provision for lodging of SUP related complaints (Description with geo-tagged pictures) by the citizens It has provision for online transfer of complaint to the concerned official for its resolution. The complaint redressal can be tracked on the App by the complainant. Country wise GeoJSON maps have been prepared to make the App fully operational across the Country. The App is available on the Play Store / App Store where it can be searched using " **SUP CPCB**" The QR code for downloading this App from the Play Store/ App Store is available on CPCB website <https://cpcb.nic.in/uploads/SUPApp.pdf> . The Instruction sheet for operation of SUP Grievance App is available on the "Menu" Page under the "Support" section.

Whereas, CPCB has developed **SUP Compliance Monitoring Portal** ([cpcbplastic.in/SUP](http://cpcbplastic.in/SUP)) which provides for Registration of Local bodies by the State Boards. The local bodies can enlist Manufacturers, Sellers (Stockiest, Retailers etc.) & Users (Hotels, Restaurants etc.) of SUP operating in their region. Inspection of the listed entities can be done through the **Field Inspection App** to ensure that the listed entities discontinue sale, The App is available on the Play Store / App Store where it can be searched using production or usage of SUP post July 01, 2022 "**SUP Field Application**" The portal also provides for filing of Inspection report and Action taken in case of violation reported. The Instruction sheet / FAQ for operation of SUP Monitoring Portal is available on the Homepage of the Portal listed entities discontinue sale, production or usage of

  
Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

Whereas Hon'ble NGT vide Order dated September 10, 2020 in O.A 247/2017 had directed CPCB to finalize the compensation regime for violation of PWM Rules Further Hon'ble NGT directions vide order dated 08.01.2021 on the matter, directed that EC and penal action regime proposed by the CPCB (Annexure IV) may be duly implemented by the CPCB, State PCBs/PCCs, State Level Monitoring Committees and all other concerned authorities. Whereas the EC regime prepared by CPCB has provision for levying EC in case violation.

Whereas CPCB is regularly following up with SPCBs/PCCs to ensure compliance of Directions issued by CPCB as well as coordinate activities taken up by CPCB for implementation of the SUP ban, CPCB convened five interactive Meetings with SPCBs/PCCs during Jan-May 2022 for the purpose. In addition, Regional Workshops/Central Workshop with SPCBs/PCCs have been organized during June 2022.

Whereas, the third National Task Force Meeting was convened by MoEF&CC on June 26, 2022 in which the SPCBs/PCCs were directed to execute the following action points:

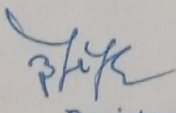
- (1) Establishment of control room to monitor the enforcement of SUP ban by July 01, 2022
- (2) Survey of manufacturing locations/sites, storage warehouse for stocking of banned single use plastic etc
- (3) Survey of municipal solid waste for presence of banned SUP items
- (4) Pan India Awareness campaign covering the following:
  - Regular newspaper advertisements on banned SUP items and alternatives
  - Sensitization workshops with industry
  - Field publicity activities (hoardings and displays) at important public places community assembly points, markets, tourist spots, religious places, bus terminals
  - Sensitization campaigns at market places, shopping malls, hotels, road side eateries, and

Whereas CPCB has issued Directions dated June 30, 2022 (Annexure V) to all State Boards to set up Control Rooms for effective implementation of SUP ban and intensive awareness and enforcement activities

Whereas Urban Development Department has a key role in checking sale / usage of SUP in accordance with provision of PWM Rules; and

Now, therefore, in view of above and in exercise of powers vested under Section 5 of Environment (Protection) Act, 1986 to the Chairman, CPCB following directions are issued for compliance:

1. SUP Compliance Monitoring Portal (<http://cpcbplastic.in/sup/>)

  
Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)



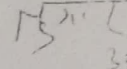
- a. To ensure that all Local Bodies in your jurisdiction are registered on the SUP monitoring portal
- b. To direct all Local Bodies to enlist all the major Commercial Establishments (Malls/ Market place/ Shopping Centers/ Cinema Houses/ Tourist Locations/ Schools/ Colleges/ Office complexes / Hospitals & other Institutions) and Stockiest/ Retailers/Sellers/Importers of banned SUP items/Street Vendors/Vegetable & Fruit Markets/Malls and other similar entities which are dealing in bulk in the aforementioned single use plastic items operating in their jurisdiction on the portal.
- c. To direct all Local bodies to carry out intensive field inspections of the Commercial Establishments through the Field Inspection Module and file the inspection report as per procedures specified on the Portal.
- d. To take appropriate action including seizure of goods, cancellation of commercial licenses levying of Environmental Compensation etc. against the identified violators of SUP Ban and report the same on the Portal.
- e. To ensure that complaints submitted by the Control Room on the portal related to sale & usage of SUP are resolved within seven days of lodging of Complaint and action as deemed fit is taken by the concerned Authorities

## 2 SUP Grievance App

- a. To ensure that complete information (mapping of Districts & identification of concerned authorities) is provided to the State Boards for onward submission to CPCB to make the App fully operational in your jurisdiction
- b. To ensure that complaints raised by the citizens related to sale & usage of SUP are resolved within seven days of lodging of Complaint and action as deemed fit is taken by the concerned Authorities

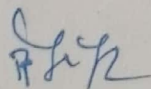
You are requested to take necessary action to ensure compliance of above Directions in line with the and submit action taken report by July 07, 2022 to this office.

Yours faithfully,

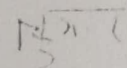
  
30/6/22  
(Tanmay Kumar)  
Chairman

Copy to

1. Addl. Secretary, HSMD, MoEF&CC
2. All SPCBs/PCCs
3. All CPCB Regional Directorates
4. DH (IT)



Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

  
30/6/22  
(Tanmay Kumar)





कार्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण  
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय  
मेरठ - 250 110 (उ०प्र०)

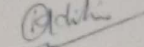
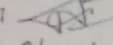
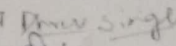

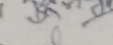
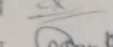
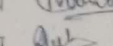
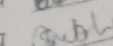

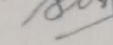
प्र० अनिल सिरौही  
अधिष्ठाता छात्र कल्याण

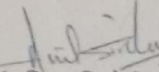
पत्रांक-सवप/अ०छा०क०/2022/10237  
दिनांक - 30/9/2022

कार्यालय आदेश

विश्वविद्यालय में गाँधी जयन्ती की पूर्व संध्या पर दिनांक 01.10.2022 को सायं 4:00 बजे विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओ एवं लक्ष्य, ए० सोसायटी फार सोशल एण्ड इनवायरमेन्टल डेवलपमेन्ट, डी०-906, ग्राउण्ड फ्लोर, पोकिट-3, डी०डी०ए० फ्लैट, बिन्दापुर, द्वारिका, नई दिल्ली 110059 के सहयोग से एक अपशिष्ट प्रबन्धन जारूकता शिविर आयोजन किया जा रहा है। शिविर के सफल आयोजन हेतु निम्न समिति का गठन किया जाता है।

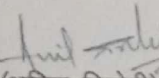
1. डा० कमल खिलाडी, प्राध्यापक, कृषि महाविद्यालय
2. डा० विपिन कुमार, सह निदेशक, उद्यान विभाग
3. डा० चन्द्र कान्त, पी०एच०डी० इन्टोमोलोजी
4. ध्रुव सिंह, पी०एच०डी० इन्टोमोलोजी
5. <sup>प्रिन्सिपल</sup> प्रताप सिंह, पी०एच०डी० इन्टोमोलोजी
6. भूपेन्द्र सिंह, पी०एच०डी० इन्टोमोलोजी
7. चन्द्र शेखर प्रजापति, पी०एच०डी० कृषि प्रसार
8. मनोज कुमार, पी०एच०डी० कृषि प्रसार
9. रिषभ कुमार यादव, पी०एच०डी० कृषि प्रसार
10. शुभम सिंह, पी०एच०डी० कृषि प्रसार
11. सत्येन्द्र विश्वकर्मा, पी०एच०डी० पथोलोजी

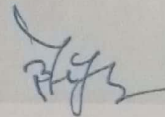
अध्यक्ष   
सदस्य   
सदस्य Chandrakant  
सदस्य   
सदस्य   
सदस्य   
सदस्य   
सदस्य   
सदस्य   
सदस्य   
सदस्य 

  
(अनिल सिरौही) 30/9/2022

प्रतिलिपि :

1. निजी सहायक को माननीय कुलपति जी के अवलोकनार्थ।

  
(अनिल सिरौही) 30/9/2022



Registrar  
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.  
Meerut-250110 (U.P.)

